दृष्टि The Vision

हिन्दी साहित्य

टेस्ट-2

(प्रश्न पत्र-I)

DTVF / OPT-24 **HL-2402**

Mentorship Program
Mukherjee ...

निर्धारित समय: तीन घंटे Time Allowed: Three Hours	अधिकतम अंक : 250 Maximum Marks : 250

नाम (Name): आनन्द कुमार मीना

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.): [redacted]

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): HL-2402 4

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2024] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2024]: 0 8 2 5 6 6 3

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

*Answer must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

कुल प्राप्तांक (Total Marks Obtained): ______________ टिप्पणी (Remarks): ______________

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर) *Evaluator (Code & Signatures)*	पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर) *Reviewer (Code & Signatures)*

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड - क

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. निम्नलिखित पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये: **10 × 5 = 50**

(क) श्रृंगारिकता के धरातल पर रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त कविता का अंतर

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) इप्टा का परिचय और महत्त्व

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) मनोवैज्ञानिक कहानी

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(घ) हिन्दी कहानी के विकास में चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' का योगदान

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

(ङ) सिद्ध साहित्य की प्रवृत्तियाँ

बौद्ध धर्म की वज्रयान शाखा के अनुगामी सिद्धों द्वारा अपनी धार्मिक मान्यताओं के ~~प्रचार~~ ~~प्रसार~~ प्रसार हेतु जिस साहित्य की रचना की गई, उसे सिद्ध साहित्य कहा जाता है।

इन सिद्धों ने वैदिक धर्म, उपनिषद, धार्मिक आडंबर इत्यादि के संदर्भ में पंडितों की आलोचना की। उदाहरणत:

"पंडिअ सअल सत्थ बक्खाणअ,
देहहिं बुद्ध बसंत ण जाणअ।"

एक ओर इन, सिद्धों द्वारा ध्यान मार्ग की साधना पद्धति को अपनाया और कुंडलिनी जागरण को महत्वपूर्ण बताया।

वहीं इसकी ओर नारी को भोग्य मानकर डाकनी, महामाडी आदि के नाम पर व्यभिचार को भी अपनाया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

डोम्बी के संदर्भ में सरहपा ने लिखा है-

"नगर बाहिरे डोम्बी, तोहरि कुड़िया छइ....।"

साथ ही सिद्धों ने बाहरी मोह से मुक्त होने को ज़रूरी बतलाया। सरहपा लिखते हैं-

"जहि मण पवण ण संचरइ रवि ससि णाह पवेस,
तहँ बढ़ चित्त बिसाम करु, सरहे कहिउ उवेस।।"

अपनी रहस्यवादी मान्यताओं को अभिव्यक्त करने के लिए सिद्धों ने उलटबाँसी का भी प्रयोग करा। बिना इनका अर्थ जाने उन्हें समझना मुश्किल है।

इन साहित्यों में दोहा, रोला, सोरठा जैसे छंदों का प्रयोग हुआ है लेकिन अनेक क्षेत्रों के प्रभावाधीन इनकी भाषा पर कई बोलियों का प्रभाव दिखता है जिसे डॉ. रामदरश ने 'संधा भाषा' कहा है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2. (क) प्रेमचन्द की कहानियों के रचना-शिल्प पर प्रकाश डालिये। 20

प्रेमचंद ने हिंदी कहानी परंपरा को सामंती कठघरे से निकालकर गरीब के झोपड़े में ला कर रख दिया और इसके लिए उन्होंने कथावस्तु के साथ रचना-शिल्प को भी हथियार बनाया।

सर्वप्रथम, प्रेमचंद ने फारसीनिष्ठ हिंदी एवं संस्कृतनिष्ठ हिंदी के द्वंद्व को समाप्त कर आम-जन की भाषा हिंदुस्तानी को अपनी कहानियों का माध्यम बनाया। गांधीजी द्वारा समर्थित हिंदुस्तानी भाषा ग्रामीण अंचल में बोली जाने वाली भाषा थी।

साथ ही प्रेमचंद

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

है इन कहानियों की कथावस्तु वंचित तबकों के मुद्दों को बताया जो सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक एवं आर्थिक सभी रूप से शोषित थे। 'पूस की रात' में जहाँ हल्कू के माध्यम से किसानों की दरिद्रता, ऋणग्रस्तता का चित्रण किया है तो 'सद्गति' के माध्यम से दुखी चमार जैसे दलितों की सामाजिक वंचना एवं उनमें निहित हीनताग्रंथी को दिखाया है।

अगर कथानक पर नज़र डालें तो प्रेमचंद की कहानियों का कथानक सीधा व सपाट होता है जिसमें आरंभ- उत्कर्ष- अंत की प्रक्रिया का उचित ध्यान रखा

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जाता है।

लेकिन प्रेमचंद की कहानियाँ सबसे अधिक प्रभावशील उनकी चरित्र योजना के कारण बनती है। प्रेमचंद की कहानियों के चरित्र वर्गगत चरित्र होते हैं। उदाहरणत: 'बूढ़ी काकी' की काकी वृद्ध वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है तो 'कफ़न' के घीसू व माधव दरिद्र वर्ग, 'पूस की रात' का हल्कू किसान वर्ग एवं 'शतरंज के खिलाड़ी' के चरित्र सामंती वर्ग का।

साथ ही प्रेमचंद सामाजिक यथार्थ को उभारने के साथ-साथ समाज में निहित कमियों पर व्यंग्य के माध्यम से करारी चोट करते हैं। 'निमंत्रण' कहानी में पंडों की लूट-खसोट की प्रवृत्ति पर प्रेमचंद

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लिखते है- "वे दोनों गेंदों की तरह भाग रहे थे।"

इसके अतिरिक्त प्रेमचंद ने अपनी कहानियों के कथानक के अनुसार भिन्न-भिन्न शैली में लिखा है। उदाहरणत: 'गुल्ली-डंडा' को आत्मकथात्मक शैली में लिखा है तो 'गिला' को चेतना प्रवाह शैली में।

इस प्रकार प्रेमचंद ने अपनी कहानियों के माध्यम से यह बतलाया कि-"साहित्य राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई नहीं है बल्कि आगे मशाल दिखाते हुए चलने वाली सच्चाई है।"

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) पृथ्वीराजरासो के महाकाव्यत्व पर विचार कीजिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आदिकालीन रासो काव्य

हिंदी साहित्य में रासो काव्यों का महत्वपूर्ण स्थान रहा है और चंद-बरदाई द्वारा रचित 'पृथ्वीराजरासो' इन रासो काव्यों में सर्वाधिक प्रसिद्ध कृति है।

चंदबरदाई ने पृथ्वीराज चौहान नामक शासक को केंद्र में रख इस ग्रंथ की रचना की है जिसमें वीर रस, श्रृंगार रस जैसे भाव मुख्य रूप से देखे जा सकते हैं।

लेकिन, साहित्य समीक्षकों के बीच यह विवाद का विषय है कि पृथ्वीराज रासो को महाकाव्य का दर्जा दिया जाना चाहिए या नहीं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

पारंपरिक महाकाव्यों की कसौटियों पर नज़र डालें तो वे इस प्रकार हैं- उदात्त नायक, विभिन्न सर्गों में विभाजन, उदात्त कार्य, उदात्त उद्देश्य, उदात्त कथानक इत्यादि, वीर या श्रृंगार रस आदि

सर्वप्रथम उदात्त कथानक या कथावस्तु के अनुसार देखें तो पृथ्वीराजरासो का कथानक उदात्त कहा जा सकता है क्योंकि यह पृथ्वीराज चौहान द्वारा महमूद गौरी के विरुद्ध लड़े गए युद्धों को शामिल करता है

वहीं उदात्त चरित्र के मानदंड पर देखें तो पृथ्वीराज चौहान का चरित्र उदात्त कहा जा सकता है लेकिन नारी के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

प्रति भोगवादी दृष्टि के कारण यह उपालम्भ भंग होती है। उदा.

"जाकि कन्या सुंदर देखी ता पै जाय धरी तलवार"

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) रासो काव्यों की भाषा पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

3. (क) 'छायावाद पलायन का काव्य है।' इस मत पर विचार कीजिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) हिंदी सूफीकाव्य परंपरा में 'मधुमालती' के वैशिष्ट्य का निरूपण कीजिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) हिंदी के नवगीत आन्दोलन का परिचय दीजिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

4. (क) प्रगतिवादी कविता की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) जयशंकर प्रसाद के नाटक 'ध्रुवस्वामिनी' के महत्त्व पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) रामचंद्रिका की संवाद-योजना पर प्रकाश डालिए। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

खण्ड - ख

5. निम्नलिखित पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी लिखिये: **$10 \times 5 = 50$**

(क) संतकाव्यधारा और सूफीकाव्यधारा में अंतर

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ख) दिनकर की कविता में ओज

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) हिन्दी साहित्येतिहास लेखन परंपरा में नाभादास का योगदान

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(घ) प्रकृतवादी हिन्दी उपन्यास

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ङ) अष्टछाप

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

6. (क) 'नई कहानी' की शिल्पगत विशेषताओं का उद्घाटन कीजिए। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

1950 से लेकर 1960 ई. तक की अवधि में हिंदी में जो साहित्य रचा गया उसे 'नए साहित्य' के नाम से जाना जाता है ये 'नई कहानी', 'नई कविता' एवं 'नई समीक्षा' आज़ादी के पश्चात बदलते परिवेश एवं उससे उपजे अजनबीपन, निरर्थकताबोध, मोहभंग आदि को बखूबी प्रस्तुत करती है।

'नई कहानी' अपनी पूर्ववर्ती कहानियों से इस संदर्भ में अलग है कि इन कहानियों की कथावस्तु पूर्व की कहानियों के ~~रूप~~ निम्नवर्गीय सामाजिक यथार्थ के बजाय मध्यवर्गीय शहरी पृष्ठभूमि के ~~रूप~~ समाज के मुद्दों

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को उठाती है। इन कहानियों में शहरीकरण, उससे उत्पन्न कृत्रिमता, टूटते संबंधों और उभरते पहचान के लेकर को कथावस्तु के रूप में चुना है।

इस तरह की कथावस्तु को आधार बनाकर लिखी गई कहानियों में घटनाओं की विरलता मिलती है और ये मानसिक यथार्थ को विश्लेषित कर सामने लाती हैं। उदाहरण: 'मेरा दुश्मन' कहानी में कोई घटना न हो कर एक ही व्यक्ति के मानसिक यथार्थ को उभारा है।

इसी मानसिक यथार्थ की अभिव्यक्ति के कारण पारंपरिक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कथानक का क्रम टूट गया है।

साथ ही पहली बार 'नई कहानी' में भारत के अलावा विदेश की पृष्ठभूमि एवं वातावरण की कहानियाँ हिंदी साहित्य में लिखी जाने लगीं। उदाहरणतः उषा प्रियंवदा की 'मछलियाँ' अमेरिका में रह रहे भारतीयों की कहानी है।

अपनी इसी उन्मुक्तता के कारण इन कहानियों में भाषा के प्रति पूर्वाग्रह नहीं दिखता है और ये कहानीकार बेधड़क अंग्रेजी के वाक्यों का प्रयोग करते हैं। उदा. मछलियाँ की मुकी कहती है - 'आई हेट हर'।

उसी प्रकार अन्य भारतीय भाषाओं के चरित्र पंजाबी, भोजपुरी

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैसी भाषाओं का प्रयोग करते हैं। उद्देश्य के स्तर पर देखें तो इन कहानियों का कोई निश्चित उद्देश्य नहीं है ये कहानियाँ सिर्फ मध्यमवर्गीय शहरी समाज के लोगों की मानसिक समस्याओं को केवल उजागर करना चाहते हैं या कि प्रेमचंद की तरह हृदय परिवर्तन कर सुखांत के बिंदु पर खत्म करना चाहते हैं।

कहना न होगा कि 'नई कहानी' आंदोलन ने स्वतंत्रता पश्चात के काल में हिंदी कहानी विधा को एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया जिसका प्रभाव वर्तमान हिंदी कहानियों पर भी देखा जा सकता है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पया इस स्थान में प्रश्न
ख्या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।

lease do not write
ything except the
estion number in
s space)

(ख) चन्द्रगुप्त नाटक की रंगमंचीयता पर विचार कीजिए। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) भीष्म साहनी के उपन्यासों में निहित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सामाजिक चेतना से तात्पर्य है तत्कालीन समाज में 'परिवर्तनशील जागृति' लाना ताकि सामाजिक समस्याओं पर चिंतन कर उनका समाधान ढूंढा जा सके। इस संदर्भ में भीष्म साहनी ने अपने उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक विषमता, धार्मिक उन्माद, साम्प्रदायिकता, नारी शोषण आदि समस्याओं की परतें खोली हैं।

अपने उपन्यास 'कुंतो' के माध्यम से साहनीजी ने भारतीय पुरुष की परस्त्रीगामिता की प्रवृत्ति एवं नारी की पराधीनता को दिखाया है इस उपन्यास में कुंतो अपने पति को सुषमा से संबंध रखने से नहीं रोक पाती है

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

एक अन्य उपन्यास 'तमस' में उन्होंने दोनों धर्म में निहित साम्प्रदायिक प्रवृत्ति, शासक वर्ग द्वारा गरीब वर्ग को वस्तु के रूप में उपयोग करने एवं ब्रिटिश शासन की 'फूट डालो राज करो' की मानसिकता को उजागर किया है। नत्थू चमार व मुराद अली जैसे दरिद्र चरित्र उच्च वर्ग के हाथों मोहरा बनते हैं।

वहीं 'बसंती' के माध्यम से साहनी आप्रवासित गरीबों विशेषत: महिलाओं की नगरों में दयनीय स्थिति के साथ इस यथार्थ को दिखाते हैं कि उपभोक्तावादी संस्कृति किस तरह मानव को कृत्रिम बना देती है।

साहनी जी ने

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

अंतिम उपन्यास 'मय्यादास की माड़ी' के माध्यम से ~~अपने~~ तीन पीढ़ियों में अंतराल को दिखाया है इस उपन्यास में मय्यादास जहाँ सामंत वर्ग का प्रतिनिधि है तो हुकुमत राय ब्रिटिश शासन का समर्थक। तीसरी पीढ़ी तो पश्चिम के अंधानुकरण में इस कदर अंधी है कि इसे समाज में निहित समस्याएँ नहीं दिखतीं।

कहना न होगा कि भीष्म साहनी ने अपने उपन्यासों के माध्यम से समाज को आइना दिखाया है ताकि हम समाज में निहित कमियों को पहचानते हुए उनका समाधान ढूंढें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. (क) बिहारी रीतिकाल के सर्वश्रेष्ठ कवि क्यों माने जाते हैं? सोदाहरण उत्तर दीजिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बिहारी रीतिकाल की रीतिसिद्ध काव्यधारा के कवि हैं जिन्होंने 'बिहारी सतसई' के माध्यम से एक ही ग्रंथ में 'गागर में सागर' की उक्ति को चरितार्थ किया है।

बिहारी के अतिरिक्त रीतिकाल में पद्माकर, घनानंद, बोधा जैसे कवि भी हुए हैं जो अपनी रचनाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। उदाहरणार्थ: पद्माकर ने शीत ऋतु में सामंती दरबार का उद्दीपनपरक चित्रण किया है-

"गुलगुली गुल में गलीचा है, गुणीजन हैं,
चाँदनी है, चिक है, चिरागन की माला है,
कहे पद्माकर ज्यों गजक गिज़ा है सजी,
सेज़ है, सुराही है, सुरा है और प्याला है।"

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

लेकिन, बिहारी अपने श्रृंगार वर्णन के द्वारा अन्य रीतिकालीन कवियों को पीछे छोड़ देते हैं। बिहारी ने एक ही दोहे में सात अनुभावों को पिरोकर अपनी सर्वश्रेष्ठता का परिचय दिया है। यथा –

"कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात,
भरे भौन में करत है नैनहुं सों बात।"

इसी तरह बिहारी केवल श्रृंगार तक सीमित न रहकर अपनी कविताओं में सामाजिक चेतना का भी परिचय देते हैं। बिहारी राजा जयसिंह की विलासितापूर्ण प्रवृत्ति के विरुद्ध चेताते हैं जैसे –

"अली कली ही सौं बंध्यो,
आगे कौन हवाल।"

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

बिहारी मध्यकालीन समाज में होकर भी अपनी वैज्ञानिक व तार्किक दृष्टि का परिचय देते हैं वे ज्योतिष पर कटाक्ष करते हुए कहते हैं –

"चित पितु मारक जोग गुनि भयौ भए सुत सोक,
फिर हुलस्यो जिय जोयसी, जो समुझे जारज जोग।।"

इसके अतिरिक्त बिहारी अपनी कविताओं में शिल्प के स्तर पर भी अन्य कवियों से कमतर नहीं हैं। विभिन्न अलंकारों का कुशल प्रयोग उन्होंने अपनी रचनाओं में किया है ये कविताएं अपनी समाहार क्षमता के कारण प्रसिद्ध हैं। उदाहरणतः

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

"गड़राने तन गौरटी, आपन लाड़ ललार।"

इन्हीं सब कारणों से कहा भी गया है कि-

"सतसैया के दोहरे, ज्यों नाविक के तीर
देखन में छोटे लगे, घाव करे गंभीर।"

इन्हीं कारणों से जॉर्ज ग्रियर्सन ने भी कहा है कि -
"बिहारी के समान कवि संपूर्ण यूरोप में नहीं है।"

हालांकि सामंती व दरबारी माहौल के कारण उनके काव्य में कुछ कमियाँ भी नज़र आती है पर उन्हें तत्कालीन समाज के संदर्भ में देखने की जरूरत है। लेकिन इस बात में कोई संदेह नहीं है कि बिहारी कुछ संदर्भों में रीतिकाल के सर्वश्रेष्ठ कवि हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

या इस स्थान में प्रश्न
ख्या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
ease do not write
ything except the
estion number in
s space)

(ख) 'आधे-अधूरे' नाटक की संवेदना पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space

Copyright – Drishti The Vision Foundation

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।
(ease do not write
thing except the
stion number in
space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) निर्मल वर्मा के यात्रा साहित्य के वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

या इस स्थान में प्रश्न
या के अतिरिक्त कुछ
लिखें।

ease do not write
thing except the
stion number in
space)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।

(Please don't write
anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

ा इस स्थान में प्रश्न
ा के अतिरिक्त कुछ
लिखें।

ase do not write
hing except the
tion number in
space)

8. (क) जयशंकर प्रसाद और अज्ञेय की कहानी-कला की तुलना कीजिये। 20

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spac

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

इस स्थान में प्रश्न
के अतिरिक्त कुछ
खें।
se do not write
ing except the
ion number in
pace)

कृपया इस स्थान में
कुछ न लिखें।
(Please don't write
anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spac

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

इस स्थान में प्रश्न
के अतिरिक्त कुछ
खें।
se do not write
ing except the
ion number in
pace)

(ख) 'जनवादी कहानी' का परिचय दीजिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spac

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस स्थान में प्रश्न के अतिरिक्त कुछ ...खें।

...e do not write ...ing except the ...on number in ...ace)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

(ग) उन्नीसवीं सदी में हिंदी गद्य के विकास में प्रतापनारायण मिश्र के अवदान पर प्रकाश डालिये। 15

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spa

Copyright – Drishti The Vision Foundation

इस स्थान में प्रश्न के अतिरिक्त कुछ [लि]खें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली | 21, पूसा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली | 13/15, ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज | 47/CC, बर्लिंगटन आर्केड मॉल, विधानसभा मार्ग, लखनऊ | प्लॉट नंबर-45 व 45-A हर्ष टावर-2, मेन टोंक रोड, वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर

दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 :: ई-मेल: help@groupdrishti.in :: वेबसाइट: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this spa

Copyright – Drishti The Vision Foundation